Daily Gospel Reflections in Hindi

04 June 2019

लूकस 12:13-21

THE PARABLE OF THE RICH FOOL

आज के सुसमाचार में येसु मूर्ख धनी का दृष्टान्त सुनाते हैं। ईसा लोगों को शिक्षा दे रहे थे। तब भीड़ में से एक व्यक्ति कहता है, 'गुरुवर मेरे लिए पैतृक सम्पत्ति का बंटवारा करने के लिए मेरे भाई से कह दें। प्रभु उसे साफ उत्तर नहीं देते है, बल्कि उसको और लोगों को नई शिक्षा देते है सम्पत्ति के बारे में। किसी के पास कितनी ही सम्पत्ति क्यों न हो उस सम्पत्ति से उसके जीवन की रक्षा नहीं होती'' (15)। जिस व्यक्ति ने येसु से अनुरोध किया, उसके पिता ने चाहा कि मेरे दोनों बेटे एक साथ रहे और मेरी सम्पत्ति का उपयोग दोनों एक साथ करें। लेकिन उस व्यक्ति अपने भाई की अपेक्षा, रिश्ते से ज्यादा, सम्पत्ति को प्यार करता है इसलिये अपने भाई से अलग होकर सम्पत्ति का बंटवारा करने के लिए येसु की सिफारिश की आशा करता है। सम्पत्ति अच्छी है लेकिन यह शैतान को हमारे जीवन में घुस आने का आसान रास्ता भी है। इसलिए प्रभु कहते है धनी को स्वर्गराज्य में प्रवेश करना कितना कठिन है।

इस कहानी के जरिए येसु हम से कहते हैं कि हमें ईश्वर की दृष्टि में धनी बनना है। ईश्वर की दृष्टि में धनी बनने का उदाहरण मारकुस के सुसमाचार की कंगाल विधवा सिखाती है। कंगाल होते हुए भी अगर हम धनी बन सकते है ईश्वर की दृष्टि में, तो यह हमारे लिए एक चुनौती है।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019